राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस नोट–1

'विश्व पर्यावरण दिवस' पर राज्यपाल का संदेश

राजभवन, देहरादून दिनांक 04 जून, 2016

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा0 कृष्ण कांत पाल ने, पर्यावरणीय समस्याओं के साथ ही जलवायु परिवर्तन, लुप्त होती वन्यजीव प्रजातियों, अपशिष्ट प्रबन्धन, घटते प्राकृतिक संसाधनों तथा बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लोगों से जागरूकता बढ़ाने की अपील की है।

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्यावरण को कोई क्षति न पहुँचे और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सचेतक प्रयास हों।

राज्यपाल ने कहा– 'विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक व्यक्ति को पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसके दायित्वों को महसूस करने का अवसर प्रदान करता है।'

उन्होंने यह भी कहा कि जैव विविधता की दृष्टि से उत्तराखण्ड अत्यन्त समृद्व है। वन्यजीव उद्यानों तथा अभयारण्यों के बल पर हमारा राज्य पर्यटकों के लिए सर्वाधिक लोकप्रिय व आकर्षक गंतव्य स्थल है। राज्य के प्रत्येक नागरिक को यह सुनिश्चित करना है कि वन्यजीवों के अवैध व्यापार के लिए संरक्षित वन क्षेत्रों में अतिक्रमण न हो सके और हमारे अनमोल वन्यजीवन विरासत को भी कोई नुकसान न पहुँचे।

राज्यपाल ने बताया कि वन्यजीवों के अवैध व्यापार के कारण नष्ट हो रही पृथ्वी की बेशकीमती जैव विविधता तथा प्राकृतिक विरासत की लूट के विरूद्ध संयुक्त राष्ट्र ने इस वर्ष एक अभियान चलाया है जिसके तहत ही इस वर्ष की विषय वस्तु **'' वन्यजीवों के अवैध व्यापार के विरूद्ध संघर्ष''** रखा गया है। वन्यजीवों के संरक्षण हेतु निर्धारित इस वर्ष की विषयवस्तु(थीम) भावी पीढ़ियों के लिए, पर्यावरण की रक्षा करने को प्रेरित करती है।

उन्होंने कहा कि विलुप्त होती जा रही वन्य जीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए समर्पित और सामूहिक प्रयास करने होंगे। यद्यपि इनके अवैध व्यापार पर अंकुश के लिए वैश्विक स्तर पर मजबूत नीतियों, जागरूकता अभियान तथा प्रवर्तन कानून बनाये जा रहे हैं।

————0————

विशेष कार्याधिकारी , (सूचना) श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो09456590619, का0 0135–2756172